3 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए बंगाल में चक्रवात बुलबुल की वजह से। 26 हजार घर आंशिक रूप से टूट गए हैं जबकि चार हजार पूरी तरह से बर्बाद हो गए हैं। करीब 1.8 लाख लोगों को सरकार ने सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया है।

दर्शन की अभिलाषा ▶ श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाशोत्सव का इंतजार खत्म

श्रद्धा, आस्था और उत्साह का शिखर

15 लाख से अधिक संगत पहुंची सुल्तानपुर लोधी

हरनेक सिंह जैनपुरी, सुल्तानपुर लोधी (कपूरथला)

दुनिया को मानवता और सरबत की भलाई का संदेश देने वाले श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाशोत्सव को लेकर जिन पलों का सालों से इंतजार था, वह वक्त आ चुका है। रंग बिरंगी लाइटों व दूधिया रोशनी से नहाई बाबा नानक की नगरी ऐसे लग रही है, जैसे सितारे जमीं पर उतर आए हों और बाबा नानक की आरती उतारने के लिए गुरुद्वारा श्री बेर साहिब पर अपना प्रकाश डाल कर उसे रोशन कर रहे हों।

श्रद्धा, आस्था व उत्साह से लबरेज संगत रात भर जाग कर गुरु का दर्शन पाने के लिए बेकरार है। इस नगरी में गुरु नानक देव जी के पवित्र हाथों से लगा बेरी का वृक्ष आज भी मीठे फल दे रहा है, जिसका प्रसाद हासिल करने को संगत घंटों झोली फैलाए खड़ी रह रही है। कई श्रद्धालु तो बेरी के नीचे गिरे पतों को ही प्रसाद स्वरूप माथे पर लगाते हैं और साथ ले जा रहे हैं।

उल्लास की रोशनी : सुल्तानपुर लोधी को आने वाले सभी रास्तों को बहुत खूबसूरत ढंग से सजाया गया है। पूरे शहर में दीपमाला है। गुरुद्वारों व मंदिरों के अलावा घरों, दफ्तरों, दुकानों व सार्वजनिक स्थानों पर लाइटिंग से सुल्तानपुर लोधी एक अलग संसार की झलक पेश कर रहा है। पवित्र काली बेईं को भी लड़ियों से मनमोहन ढंग से सजाया गया है। नाम जपती संगत बाबा नानक की कृपा से निहाल है।

लंगर की सेवा : सुल्तानपुर लोधी एवं इसको आने वाले सभी रास्तों व पार्किंग स्थलों पर लगातार 24 घंटे लंगर चल रहे हैं, इसमें चाय पकौड़े, मिठाइयों के साथ पिज्जा, बरगद, दाल-रोटी, खीर, साग, मटर-पनीर, गोभी आदि हर किस्म के पकवान संगत को परोसे जा रहे हैं। लंगर में फ्रूटी, कुल्फी, फलों व मिनरल वाटर भी उपलब्ध कराया जा रहा है। श्री गुरु नानक देव जी से जुड़े गुरुद्वारा श्री हट्ट साहिब, श्री संत घाट साहिब, अंतरयात्मा साहिब, बेबे नानकी गुरुद्वारा, कोठड़ी साहिब, सेहरा साहिब व गुरु का बाग आदि में भी लगातार समागम चल रहे हैं। हर तरफ सतनाम वाहेगुरु का जयघोष हो रहा है तो कई दिनों से दिन रात सेवा में जुटे सेवादार बिना थके आवभगत में जुटे हैं।

निहाल हो रही संगत : नई दिल्ली से आए जीएस बजाज का कहना है कि वह अपने जीवन में पहली बार श्री बेर साहिब के दर्शनों को आए हैं। यहां आकर उन्हें जो आनंद व सुकून मिला है, उसे पहले कभी अनुभव नहीं किया। नोएडा (उप्र) से आईं मनजीत कौर कलसी खुद को खुश किस्मत समझ रही हैं कि उन्हें इसमें शामिल होने का अवसर मिला है।

गुरु नानक देव जी के ऐतिहासिक 550वें प्रकाश पर्व को लेकर इंतजार खत्म हो गया है। रंग-बिरंगी लाइटों व दूधिया रोशनी से नहाई बाबा नानक की नगरी सुल्तानपुर लोधी में गुरु पर्व से एक दिन पहले 15 से अधिक संगत पहुंची। हर तरफ सिर पर रुमाला साहिब बांधे वाहेगुरु का नाम जपती संगत दिखाई दी। एक नवंबर से लेकर अब तक 70 लाख से अधिक संगत माथा टेक चुकी है। पवन यादव

सुल्तानपुर लोधी की अपार महिमा

पाकिस्तान के ननकाना साहिब के बाद सुल्तानपुर लोधी का श्री गुरु नानक देव जी से बेहद करीबी व लंबा रिश्ता रहा है। अपनी बड़ी बहन बेबे नानकी के पास उन्होंने बहुमूल्य 18 वर्ष गुजारे और 'तेरा-तेरा' तोलते हुए गरीबों की झोलियां भरी। यहीं मूल मंत्र का उच्चारण कर श्री गुरु ग्रंथ साहिब की आधारशिला रखी। इसी धरती से विश्व कल्याण के लिए उदासियों (पवित्र यात्राओं) का आगाज किया। यहीं से उनकी बरात बटाला में माता सुलखणी के साथ शादी के लिए रवाना हुई थी और सुल्तानपुर लोधी के गुरु का बाग में ही उनके घर दो पुत्रों का जन्म हुआ था।

नहीं आए बड़े धार्मिक गुरु, बनी रही दुविधा

इन्द्रप्रीत सिंह, सुल्तानपुर लोधी (कपूरथला)

▶ **अलग-अलग स्टेज के चलते बड़े नेताओं ने भी बनाई दूरी**

▶ **पोप, दलाईलामा, शाही इमाम समेत कई हस्तियों को किया था आमंत्रित**

श्री गुरु नानक देव जी के 550वें प्रकाशोत्सव में पंजाब सरकार और शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (एसजीपीसी) के अलग-अलग स्टेज के विवाद ने कई बड़े धार्मिक गुरुओं को भी दुविधा में डाले रखा। सोमवार को पूरी दुनिया में श्री गुरु नानक देव जी का प्रकाश पर्व मनाया जा रहा है और सुल्तानपुर लोधी में दो-दो स्टेज लगाई गई हैं। वैसे तो अन्य पार्टियां और दल भी अपनी-अपनी स्टेज लगाएंगे, लेकिन प्रमुख तौर पर दो ही स्टेज लगेंगी। एक पंजाब सरकार की और दूसरी शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की।

दोनों पक्ष एक स्टेज लगाने के फैसले पर एकमत नहीं हुए। सरकार और एसजीपीसी के इस रवैये का असर उन बड़े धार्मिक गुरुओं पर भी हुआ है, जिन्हें दोनों पक्षों ने अपने-अपने यहां आने का न्योता दिया था। यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी इससे अछूते नहीं रहे। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद भी किसकी स्टेज पर आएंगे यह भी अभी तय नहीं है। सोमवार को गृहमंत्री अमित शाह ने भी आना था, लेकिन यह प्रोग्राम रद हो गया। जो हस्तियां आ भी रही हैं, वे भी केवल गुरुद्वारा साहिब में माथा टेककर वापस जा रही हैं।

गौरतलब है कि समारोह शुरू होने से पहले दोनों पक्षों ने दावा किया था कि सभी बड़े धार्मिक गुरुओं को न्योता दिया गया है। पोप, दलाईलामा, आदि गुरु शंकराचार्य, श्री श्री रविशंकर और जामा मस्जिद के प्रमुखों को भी आमंत्रित किया गया था। दावा किया गया था कि वे उनके सम्मेलन में आ रहे हैं, लेकिन अंत तक यह फाइनल नहीं हो सका कि मुख्य स्टेज कौन लगाएगा? लिहाजा इस दुविधा के चलते बड़े धार्मिक गुरु सम्मेलन में नहीं आए। गौरतलब है कि जब खालसा पंथ का 300 साला समारोह श्री आनंदपुर साहिब में मनाया गया था तो सभी बड़े धार्मिक गुरुओं ने सम्मेलन में हाजिरी लगाई थी।

एक स्टेज पर नहीं बनी सहमति : एक संयुक्त स्टेज को लेकर सरकार और एसजीपीसी दोनों में लंबे समय तक बहस और बैठकों का दौर चला। यहां तक कि जब कोई फैसला नहीं हुआ, तो श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार ज्ञानी हरप्रीत सिंह ने निर्देश दिए कि मुख्य स्टेज एसजीपीसी की ओर से लगाई जाएगी, लेकिन साथ ही उन्होंने कहा कि अगर कोई और पार्टी और संस्था भी अपनी स्टेज लगाना चाहती है, तो उसे ऐसा करने की छूट है, लेकिन किसी भी स्टेज पर पॉलिटिकल बातें नहीं होंगी केवल श्री गुरु नानक देव जी की शिक्षाओं का ही प्रचार होगा। पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव विकास प्रताप सिंह ने बताया कि अमृतसर में गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी की ओर से सर्व-धर्म सम्मेलन करवाया गया था, जिसमें दलाई लामा भी पहुंचे थे। पोप के बारे में उन्होंने कहा कि पोप के आने की कन्फर्मेशन पहले ही नहीं आई थी।

करतारपुर साहिब जाने में असमर्थ हैं पीएमसी बैंक घोटाले से पीड़ित सिख

मुंबई, प्रेट्र : करतारपुर कॉरिडोर खुलने के बाद महाराष्ट्र के कम से कम 1,950 सिख पाकिस्तान में स्थित गुरुद्वारा दरबार साहिब जाने में असमर्थ हैं। पंजाब एंड महाराष्ट्र कोआपरेटिव (पीएमसी) बैंक घोटाले के कारण ये सभी आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। समुदाय के एक वरिष्ठ नेता यह दावा किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को करतारपुर कॉरिडोर का उद्घाटन किया और 500 भारतीय तीर्थयात्रियों के पहले जत्थे को रवाना किया। पहले जत्थे में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह और केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल शामिल थीं। यह कॉरिडोर पाकिस्तान में गुरुद्वारा दरबार साहिब और पंजाब के गुरदासपुर जिले में स्थित डेरा बाबा नानक को जोड़ता है।

▶ **आर्थिक संकट में घिरे हैं समुदाय के कई लोग**

4,355 करोड़ रुपये का घोटाला सामने आने के बाद पीएमसी बैंक आरबीआइ के प्रतिबंध का सामना कर रहा है। इसके बाद बैंक में जमा की निकासी की सीमा पहले 1000 रुपये तक सीमित कर दी गई जिससे जमाकर्ताओं के बीच भय और हताशा फैल गई। चरणबद्ध तरीके से निकासी की सीमा 50,000 रुपये तक कर दी गई है।

मुंबई, नासिक, नांदेड़, नवी मुंबई और ठाणे के करीब 2000 सिखों का इस बैंक में खाता है। कुर्ला गुरुद्वारा समिति के सदस्य हरदेव सिंह सैनी ने बताया कि वे सभी स्थानीय संगठन निर्माण सेवक जत्था द्वारा आयोजित यात्रा के तहत गुरुद्वारा दरबार साहिब जाना चाहते हैं।

सैनी ने कहा, 'हमने उनका आनलाइन ब्योरा वेबसाइट पर डाला दिया। लेकिन पीएमसी बैंक संकट के कारण उनमें से कई ने अपना नाम वापस ले लिया। इन 2000 लोगों में से केवल 50 ही जा सके हैं। जिन लोगों ने यात्रा स्थगित की है वे सभी पीएमसी बैंक घोटाले से पीड़ित हैं।'

आइसीयू में भर्ती लता मंगेशकर की हालत में सुधार

एंटरटेनमेंट ब्यूरो, मुंबई

सांस लेने में तकलीफ के चलते स्वर साम्राज्ञी लता मंगेशकर को सोमवार देर रात यहां के ब्रीच कैंडी अस्पताल के आइसीयू में भर्ती कराया गया। अब उनकी हालत में सुधार बताया जा रहा है।

अस्पताल से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, जब उन्हें अस्पताल लाया गया तब उनकी हालत काफी नाजुक थी। इस बीच लताजी की टीम की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि उन्हें सांस लेने में तकलीफ थी। उनकी उम्र को ध्यान में रखते हुए ब्रीच कैंडी अस्पताल लाया गया, ताकि एंटीबायोटिक्स के जरिये संक्रमण फैलने से रोका जा सके। उनकी हालत अब स्थिर है और सेहत में सुधार हो रहा है।

लता मंगेशकर की छोटी बहन आशा भोसले भी अपनी बड़ी बहन लता मंगेशकर का हालचाल लेने अस्पताल पहुंची थीं। लता

लता मंगेशकर की फाइल फोटो। प्रेट्र

मंगेशकर की छोटी बहन उषा मंगेशकर ने मंगलवार को उनके अस्पताल से डिस्चार्ज होने की बात कही है। स्वर कोकिला के भर्ती होने के चलते अस्पताल की सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

भारत रत्न से सम्मानित लता ने 28 सितंबर को अपना 90वां जन्मदिन मनाया था। 36 से ज्यादा क्षेत्रीय और विदेशी भाषाओं में गाना गा चुकीं लता मंगेशकर ने करीब एक हजार हिंदी फिल्मों में गाने गाए हैं। वह सोशल मीडिया पर भी काफी सक्रिय रहती हैं। रविवार को उन्होंने अपनी भतीजी पद्मिनी कोल्हापुरे अभिनीत फिल्म पानीपत से उनका लुक साझा कर तारीफ की थी और फिल्म के निर्देशक आशुतोष गोवारिकर को शुभकामनाएं दी थीं।

लता मंगेशकर ने वर्ष 1942 में मराठी फिल्म 'किति हसाल' से अपना सफर शुरू किया था। वर्ष 1989 में दादा साहेब फाल्के पुरस्कार से सम्मानित लता मंगेशकर ने वर्ष 2004 में प्रदर्शित यश चोपड़ा निर्देशित 'वीर जारा' के सभी गाने गए थे। तब उनकी उम्र 75 वर्ष थी। उसके बाद उन्होंने किसी फिल्म के सभी गाने नहीं गाए। वर्ष 2001 में उन्हें देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया था। लता के अस्पताल में भर्ती होने की खबर जैसे ही सोशल मीडिया पर वायरल हुई। यूजर्स उनके स्वस्थ होने की कामना करने लगे।

3,300 करोड़ के हवाला रैकेट का हुआ पर्दाफाश

नई दिल्ली, प्रेट्र : आयकर विभाग ने 3,300 करोड़ रुपये के हवाला रैकेट का पर्दाफाश किया है। यह दावा सीबीडीटी ने किया है। यह रैकेट दिल्ली, मुंबई और हैदराबाद जैसे कई शहरों में फैला हुआ था और बुनियादी ढांचा क्षेत्र में प्रमुख कारपोरेट हाउसों से जुड़ा था। आयकर विभाग के लिए नीति निर्माण करने वाले बोर्ड ने किन उद्यमों पर छापे मारे गए उसकी पहचान नहीं बताई है।

बड़े पैमाने पर कर चोरी की सांठ-गांठ का पर्दाफाश करने के लिए इस महीने के पहले सप्ताह में दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, एरोडे, पुणे, आगरा और गोवा में 42 स्थानों पर छापेमारी की गई। लोगों का एक समूह फर्जी बिल जारी करने और हवाला कारोबार में संलिप्त था।

सीबीडीटी ने एक बयान में कहा है, 'बड़े कारपोरेट के बीच सांठ-गांठ, हवाला आपरेटरों और कामकाज की पूरी श्रृंखला की पहचान

▶ **सीबीडीटी ने जिन उद्यमों पर छापे मारे गए उनकी पहचान नहीं बताई**

करने के लिए तलाशी सफल रही। इस दौरान पर्याप्त सुबूत उजागर हुए हैं। इसके साथ ही फर्जी ठेके के माध्यम से 3,300 करोड़ रुपये के कोष की हेराफेरी का पता चला है।' इसमें कहा गया है कि छापेमारी से बुनियादी ढांचा क्षेत्र में प्रमुख कारपोरेट हाउसों द्वारा फर्जी ठेके और बिल के माध्यम से कमाई करने वाले एक बड़े रैकेट को सामने लाया गया है। तलाशी के दौरान करीब 4.19 करोड़ रुपये नकदी और 3.2 करोड़ रुपये के आभूषण जब्त किए गए हैं।

कोष की हेराफेरी करने में संलिप्त कंपनियों में ज्यादातर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और मुंबई में स्थित हैं। इसी वर्ष अप्रैल में ऐसी ही एक कंपनी की तलाशी ली गई थी।

आयकर ने चेन्नई के संस्थान की 350 करोड़ की अघोषित आय पकड़ी

नई दिल्ली, प्रेट्र : चेन्नई स्थित शिक्षण संस्थान पर मारे गए छापे के दौरान आयकर विभाग ने 350 करोड़ रुपये से अधिक की अघोषित आय पकड़ी है। इसके अलावा विभाग ने लगभग आठ करोड़ की नकदी और आभूषण जब्त किए हैं। आयकर विभाग के लिए नीति निर्माण करने वाली निकाय सीबीडीटी ने कहा है कि पिछले 30 साल से चेन्नई और उसके आसपास शिक्षण संस्थान चला रहे ट्रस्ट के समूह के मामले में सात नवंबर को तलाशी ली गई। बोर्ड ने यह नहीं बताया है कि तलाशी कहां ली गई, लेकिन सूत्रों ने पेपिअर समूह की पुष्टि की है।

सीबीडीटी ने कहा है कि समूह कई इंजीनियरिंग, पॉलीटेक्निक, डेंटल और नर्सिंग कॉलेज, अस्पताल और स्कूल चला रहा था। समूह की मछली, सीमेंट, दूध, बोतल बंद पानी और लोहा एवं स्टील जैसे कारोबार में रुचि थी। कार्रवाई के दौरान करीब पांच करोड़ नकदी और करीब तीन करोड़ के आभूषण जब्त किए गए हैं। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार समूह की अघोषित आय 350 करोड़ आंकी गई है।

फंसी रकम के भुगतान की गारंटी योगी से लेने की मांग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

भविष्य निधि घोटाले में फंसी रकम के भुगतान की गारंटी की मांग को लेकर बिजली इंजीनियर व कर्मचारी 14 नवंबर को लखनऊ में रैली निकालेंगे। रैली के दौरान उत्पीड़न व दमन की कोशिश पर बिजलीकर्मियों ने प्रदेशव्यापी हड़ताल की चेतावनी दी है। उप्र विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से बिजली कर्मचारियों की भविष्य निधि के भुगतान की गारंटी लेने और तत्काल गजट नोटिफिकेशन जारी कराने की मांग की है, ताकि कर्मचारी तनावमुक्त होकर बिजली आपूर्ति में पूरी निष्ठा से काम कर सकें। समिति ने पावर कॉरपोरेशन के पूर्व चेयरमैन को भविष्य निधि घोटाले का मुख्य आरोपी ठहराते हुए सेवा से बर्खास्त कर गिरफ्तार किए जाने की मांग की।

डीएचएफएल के चार कर्मचारियों से पूछताछः बिजलीकर्मियों की भविष्य निधि की रकम निजी कंपनी दीवान हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (डीएचएफएल) में निवेश किए जाने के मामले में ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध शाखा) ब्रोकर फर्मों से जुड़े कई लोगों के बारे में छानबीन कर रही है। चार और ब्रोकर फर्मों के पते फर्जी निकले हैं। अब तक कुछ आठ फर्मों को फर्जी पतों पर रजिस्टर्ड कराये जाने की बात सामने आ चुकी है। ईओडब्ल्यू ने सोमवार को डीएचएफएल के चार कर्मचारियों से पूछताछ भी की। उनसे मिली जानकारियों के आधार पर निवेश से जुड़े कई तथ्यों की पड़ताल की जा रही है। ईओडब्ल्यू ने अब तक सामने आने से बच रहे तत्कालीन सचिव ट्रस्ट पीके गुप्ता के बेटे अभिनव की तलाश भी तेज कर दी है। वह नोएडा में रियल एस्टेट का कारोबारी है।

पीएफ घोटाला

▶ **उप्र विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति की 14 को रैली और हड़ताल की चेतावनी**

हैदराबाद में दो ट्रेनों की टक्कर में 16 घायल

हैदराबाद, प्रेट्र : हैदराबाद के काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर सोमवार को दो ट्रेनों की टक्कर में चालक समेत 16 लोग घायल हो गए। बुरी तरह से क्षतिग्रस्त केबिन में फंसे चालक को निकाल लिया गया। दक्षिण मध्य रेलवे के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रेल मंत्री पीयूष गोयल ने अधिकारियों को सहायता और राहत कार्य का निर्देश दिया है। रेलवे ने मामूली घायल यात्रियों को पांच हजार और गंभीर रूप से घायल यात्रियों को 25000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है।

रेल अधिकारी ने बताया कि लिंगमपल्ली-फलकनुमा मल्टी मोडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम(एमएमटीएस) ट्रेन कुरनूल -सिकंदराबाद रेलवे इंटरसिटी एक्सप्रेस(17028) से टकरा गई। इस घटना में 16 लोग घायल हो गए। एमएमटीस ट्रेन का चालक बुरी तरह घायल हो कर अपने इंजन में ही फंस गया था। उसे ऑक्सीजन और बाकी चिकित्सीय सुविधाएं दी गई थी। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार इस टक्कर में लिंगमपल्ली-फलकनुमा ट्रेन के छह डिब्बे और कुरनूल सिटी-सिकंदराबाद एक्सप्रेस के तीन डिब्बे क्षतिग्रस्त हो गए हैं। घायलों को उस्मानिया जनरल अस्पताल ले जाया गया जहां इलाज के बाद नौ लोगों को छुट्टी दे दी गई। दुर्घटना के बाद एक ट्रेन रद कर दी गई और एक अन्य का मार्ग बदल दिया गया। पांच अन्य ट्रेनों को आंशिक रूप से रद कर दिया गया है।

हैदराबाद के काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर सोमवार को दो ट्रेनों की टक्कर के बाद क्षतिग्रस्त केबिन में फंसे चालक को ऑक्सीजन उपलब्ध कराने की कोशिश करते बचावकर्मी। प्रेट्र

सिनौली में दबे हैं प्राचीन भारत के कुछ रहस्य : एएसआइ

जागरण संवाददाता, बागपत

▶ **आगरा से एएसआइ की टीम पहुंची सिनौली शिव मंदिर**

प्राचीन भारत के कई रहस्य उगल चुके सिनौली गांव (बागपत, उप्र) में एक बार फिर एएसआइ (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) की दो सदस्यीय टीम पहुंची और आबादी के बीच स्थित शिव मंदिर में पिछले दिनों निकले पुरावशेष देखे। टीम ने दावा किया कि मंदिर परिसर और आसपास की जमीन के नीचे प्राचीन भारत के कुछ रहस्य तो अवश्य दबे हैं। यहां जो भी पुरावशेष निकले हैं उनकी गहनता से जांच की जाएगी और उसके बाद ही अगला कदम उठाया जाएगा।

सोमवार को एएसआइ आगरा सर्किल के सहायक पुरातत्वविद आदित्य कुमार और महेंद्र पाल सिनौली के शिव मंदिर में पहुंचे। उन्होंने मंदिर परिसर में पिछले दिनों खोदाई में निकलीं सीढ़ियां और अन्य पुरावशेष देखे। इस दौरान यहां लोगों की भीड़ एकत्र हो गई। टीम ने प्राचीन शिव मंदिर को भी देखा और लोगों से जानकारी ली कि यह मंदिर कितना पुराना है। इसी बीच कुछ लोग मंदिर में पहुंचे और टीम के सामने कहा कि यहां कुछ नहीं दबा है और वह यहां की खोदाई कराने के पक्ष में नहीं हैं। गांव के बीच में मंदिर है और मंदिर ही रहने दिया जाए। महेंद्र पाल ने बताया कि यहां मिले पुरावशेष की रिपोर्ट आगरा में आला अफसरों को देंगे। बता दें कि मंदिर परिसर बहुत ही छोटा है और मंदिर की दीवार से मकान सटे हुए हैं।

नीचे दबा है बहुत कुछ : शहजाद राय शोध संस्थान के निदेशक अमित राय जैन ने बताया कि सिनौली में तीन चरणों की खोदाई में बहुत कुछ मिल चुका है। सिनौली एक नए इतिहास की ओर चल रहा है। आगे भी खोदाई होगी और सिनौली की धरा अभी बहुत कुछ उगलेगी।

मंजूरी

हरिद्वार में 10 हाथियों पर रेडियो कॉलर लगाने को शासन की सैद्धांतिक मंजूरी, महाकुंभ के मद्देनजर भारतीय वन्यजीव संस्थान ने दिया था इस बारे में प्रस्ताव

महाकुंभ में हाथियों की धमक रोकेगा 'अर्ली वार्निंग सिस्टम'

राज्य ब्यूरो, देहरादून

हरिद्वार में 2021 में होने वाले महाकुंभ के मद्देनजर हाथियों के आतंक पर अंकुश लगाने की दिशा में शासन सक्रिय हो गया है। इस कड़ी में सोमवार देर शाम बुलाई गई बैठक में हरिद्वार में आबादी के नजदीक हाथियों की धमक रोकने को 'अर्ली वार्निंग सिस्टम' विकसित करने को 10 बिगड़ैल हाथियों पर रेडियो कॉलर लगाने के भारतीय वन्यजीव संस्थान के प्रस्ताव को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी गई। इसके अलावा वन महकमे ने हाथियों को जंगल में ही रोके रखने के लिए वन सीमा पर स्थायी व अस्थायी प्रकृति के कार्यों को 12 करोड़ की मांग रखी। तय हुआ कि इस राशि की व्यवस्था कुंभ मेला मद से की जाएगी। साथ ही वन विभाग को समूचे हरिद्वार क्षेत्र में विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए।

राजाजी टाइगर रिजर्व से लगे हरिद्वार क्षेत्र में हाथियों के हमलों ने शासन से लेकर सरकार तक की नींद उड़ाई हुई है। चिंता की बड़ी वजह 2021 में होने वाला महाकुंभ का आयोजन है। यदि हाथियों की इसी तरह हरिद्वार के आबादी वाले क्षेत्रों में धमक बनी रही तो दिक्कतें बढ़ सकती हैं। लगातार गहराती इस समस्या के निदान को अब शासन सक्रिय हो गया है।

प्रमुख सचिव वन आनंदवर्धन ने सोमवार को सचिवालय में विभाग के अधिकारियों और भारतीय वन्यजीव संस्थान के वैज्ञानिकों के साथ इस संबंध में मंथन किया। हाथियों की आबादी वाले क्षेत्रों में आवाजाही पर अंकुश लगाने के मद्देनजर भारतीय वन्यजीव संस्थान के वैज्ञानिक डॉ. विभाष पांडव और डॉ.पराग निगम ने प्रस्तुतीकरण दिया। हरिद्वार के डीएफओ आकाश वर्मा ने भी इस समस्या पर केंद्रित प्रस्तुतीकरण दिया।

मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक राजीव भरतरी के मुताबिक महाकुंभ के मद्देनजर हाथियों पर निगरानी के लिए बैठक में अर्ली वार्निंग सिस्टम विकसित करने पर जोर दिया गया। इसके लिए वन्यजीव संस्थान की ओर से 10 हाथियों पर रेडियो कॉलर लगाने के प्रस्ताव को शासन द्वारा सैद्धांतिक मंजूरी दी गई। यह प्रोजेक्ट करीब 80 लाख का है, जिसमें 20 लाख संस्थान व शेष राशि की व्यवस्था वन विभाग करेगा। रेडियो कॉलर लगने पर हाथियों के मूवमेंट का पता चलेगा और फिर संबंधित क्षेत्र में अलर्ट करने के साथ ही दूसरे कदम उठाए जा सकेंगे।

बैठक में वन विभाग की ओर से हाथी समेत दूसरे वन्यजीवों को आबादी की तरफ आने से रोकने को वन सीमा पर स्थायी व अस्थायी कार्यों की रूपरेखा रखी गई। इसके तहत वन सीमा पर हाथीरोधी दीवारों की मरम्मत, नई हाथीरोधी दीवारों का निर्माण, सोलर पावर फैंसिंग, क्विक रिस्पांस टीमों का गठन जैसे कार्य होंगे। तय हुआ इन कार्यों के लिए 12 करोड़ की राशि की व्यवस्था को कुंभ मद से व्यवस्था की जाए।

प्रमुख सचिव वन आनंदवर्धन के मुताबिक हाथियों की समस्या के बारे में कुंभ मेलाधिकारी से भी बात की गई और वे भी इसके समाधान में सहयोग देने को तैयार हैं। वन विभाग की ओर से दिए गए 12 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को कुंभ मेला की 13 नवंबर को होने वाली बैठक में रखा जाएगा। इसके अलावा वन्यजीव संस्थान को वन विभाग की ओर से दी जाने वाली राशि की व्यवस्था को कैंपा फंड की मदद भी ली जा सकती है। बैठक में मुख्य वन्यजीव प्रतिपालक राजीव भरतरी, अपर प्रमुख मुख्य वन संरक्षक डॉ.धनंजय मोहन, कैंपा के सीईओ डॉ. समीर सिन्हा, मुख्य वन संरक्षक गढ़वाल जीएस पांडेय, राजाजी टाइगर रिजर्व के निदेशक पीके पात्रो मौजूद थे।

दिसंबर से लगेंगे रेडियो कॉलर

प्रमुख सचिव वन के मुताबिक हाथियों पर रेडियो कॉलर लगाने का कार्य वन्यजीव संस्थान एक दिसंबर से शुरू कर सकता है। इस मामले में सैद्धांतिक मंजूरी होने के बाद संस्थान को जल्द से जल्द अन्य औपचारिकताएं पूरी करने को कहा गया है।

तीन जोन हैं बेहद संवेदनशील

भारतीय वन्यजीव संस्थान की ओर से बैठक में बताया गया कि हरिद्वार में श्यामपुर व उससे सटे गांव, बीएचईएल क्षेत्र, मोतीचूर-चीला कॉरिडोर संवेदनशील हैं। यहीं से हाथियों की धमक आबादी वाले क्षेत्र में हो रही है। हाथियों पर रेडियो कॉलर लगने से इनके मूवमेंट पर नजर रखी जा सकेगी।

छग में वाट्सएप हैकिंग की होगी जांच, सरकार ने बनाई कमेटी

नईदुनिया, रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार वाट्सएप के जरिये होने वाली फोन टेपिंग की जांच कराएगी। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने दैनिक जागरण के सहयोगी प्रकाशन 'नईदुनिया' की खबर पर संज्ञान लेते हुए जांच का आदेश दिया है। इसके लिए गृह सचिव की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय कमेटी बनाई गई है। कमेटी में रायपुर आइजी और जनसंपर्क संचालक शामिल हैं। ज्ञात हो, नौ नवंबर को रायपुर संस्करण में 'इजराइल के हैकर ने राज्य के चार लोगों का वाट्सएप वीडिया कॉल किया हैग' शीर्षक से समाचार प्रकाशित किया गया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऐसी शिकायतें गंभीर प्रकृति की हैं, क्योंकि यह नागरिकों की स्वतंत्रता की हनन से जुड़ा प्रश्न है। इन शिकायतों की जांच कराया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जांच समिति विस्तृत रिपोर्ट और तथ्यात्मक प्रतिवेदन एक महीने में देगी। डीजीपी समिति को जांच के लिए सभी आवश्यक सहयोग प्रदान करेंगे। उन्होंने कहा कि जासूसी करना जासूसों का काम है, वह इसे करते रहेंगे, लेकिन नागरिकों की निजता को सुरक्षित रखना मेरी जिम्मेदारी है। मैं भी इसे करता रहूंगा।

इजराइली कंपनी एनएसओ ग्रुप ने पेगासस सॉफ्टवेयर से वाट्सएप के जरिये चुनिंदा लोगों की जासूसी की और फोन टेप किया। पेगासस नामक स्पाईवेयर ने विश्व के 1400 लोगों का वाट्सएप हैक किया था। इसमें देश के 100 से ज्यादा लोग शामिल हैं, जिसमें 19 ने पुष्टि की थी। छत्तीसगढ़ में चार लोग छत्तीसगढ़ बचाओ आंदोलन (सीबीए) के संयोजक आलोक शुक्ला, सामाजिक कार्यकर्ता डिग्री प्रसाद चौहान, शालिनी गेरा और शुभ्रांशु चौधरी के वाट्स वीडियो कॉल हैक करने की पुष्टि हुई है। सीबीए के शुक्ला ने बताया कि कुछ माह पूर्व अंतरराष्ट्रीय नंबर से वाट्सएप पर वीडियो कॉल के मिस कॉल आ रहे थे। कुछ की 44 डिजिट से नंबर से शुरुआत थी। 29 अक्टूबर को वाट्सएप ने संदेश भेजकर जानकारी दी कि मेरे फोन को हैक कर सर्विलांस में लिया गया है।